मैं अब भी कुछ हासिल करना चाहती हूं, मेरे कुछ लक्ष्य हैं। मैं अपने बच्चों को दिखाना चाहती हूं कि कोई भी उम्र हो, तुम अपने सपने साकार कर सकते हो।

-कैरोलिन वोज्नियाकी

पूर्व विश्व नं. 1 टेनिस खिलाड़ी, संन्यास से वापसी की घोषणा करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **नीरज चोपड़ा**

चोट के कारण एक महीने बाद लौट रहे ओलंपिक चैम्पियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग के लुसाने चरण में शुक्रवार को लगातार दूसरी बार पोडियम पर जगह बनाने की कोशिश में होंगे। भारत के 25 वर्ष के चोपड़ा ने पांच मई को डायमंड लीग के दोहा चरण में शानदार शुरूआत करके कैरियर का सर्वश्रेष्ठ 88.67 मीटर का थ्रो फेंका लेकिन उसके बाद से उनकी मांसपेशी में खिंचाव आ गया। उन्होंने 29 मई को एक बयान जारी करके चार जून को नीदरलैंड में हुए एफबीके खेलों और 13 जून को फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों से नाम वापिस लेने की घोषणा की थी।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट विश्व कप के इतिहास में पहली गेंद 7 जून 1975 को लॉर्डस के मैदान पर भारत के मदनलाल द्वारा इंग्लैंड के डैनिश एमिस को फेंकी गई थी।

दलीप ट्रॉफी : पूर्व क्षेत्र के खिलाफ मध्य क्षेत्र ने मजबूत की पकड़

अलूर 29 जून। आवेश खान (34 रन पर तीन विकेट),सौरभ कुमार (46 रन पर तीन विकेट) और शिवम मावी (24 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्राफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन गुरुवार को पूर्व क्षेत्र की पहली पारी को मात्र 122 रन पर ढेर करने के बाद दूसरी पारी में बगैर कोई विकेट खोये 64 रन बना कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। मध्य क्षेत्र ने पहली पारी में 182 रन बनाये थे। दिन का खेल खत्म होने के समय मध्य क्षेत्र की कुल लीड 122 रन की हो चुकी है। हिमांशु मंत्री 25 रन और विवेक सिंह 34 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुये हैं। गेंदबाजों पर मेहरबान कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसियेशन स्टेडियम की पिच पर आज भी बल्लेबाजों को रनो के जूझना पड़ा। पूर्व क्षेत्र के रियान पराग (33) और मणिशंकर मूरासिंह (30 नाबाद) ने टीम के स्कोर को 100 रन का आंकड़ा पार कराने में महती भूमिका अदा की। पूर्व क्षेत्र के छह बल्लेबाज अपने निजी स्कोर को दहाई के अंक तक पहुंचाने में नाकाम साबित हुये। पराग ने अपनी संक्षिप्त पारी में 46 गेंद खेली और पांच चौके और एक छक्का जमाया वहीं मूरा सिंह अपनी नाबाद पारी में 34 गेंदों में दो चौके और दो छक्के जड़ चुके थे। इनके अलावा सुदीप कुमार (27) और शहबाज नदीम (17) ने लड़खड़ाती पारी को कुछ हद तक संभाला।

सुप्रिया देवी महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में

भोपाल, 29 जून,। टीएच सुप्रिया देवी ने मध्य प्रदेश के भोपाल में चल रही छठी युवा महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन के बूते क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पंजाब की कुलदीप कौर के खिलाफ सुप्रिया (54 किठाा) ने आक्रमण रणनीति का इस्तेमाल किया और 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से विजयी हुई। मणिपुर में जन्मी मुक्केबाज के नाम एशियाई जूनियर रजत पदक है। अंतिम आठ में उनका मुकाबला अब आंध्र प्रदेश की मेहेरुन्निस ए बेकम मोहम्मद से होगा। मणिपुर की एक अन्य मुक्केबाज काजल एस देवी ने चंडीगढ़ की हर्षिता के खिलाफ कड़े संघर्ष में 4-1 से जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला पंजाब की रिया तूर से होगा। 50 किठाा वर्ग में हरियाणा की अंशू ने दिल्ली की स्वाति यादव के खिलाफ उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए पहले राउंड में रेफरी द्वारा प्रतियोगिता रोके जाने के बाद जीत हासिल की। वह अपने क्वार्टर मुकाबले में मध्य प्रदेश की काफ़ी से भिड़ेंगी। आक्रमण और त्वरित मूवमेंट के स्मार्ट संयोजन का प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना की एस जया श्री (81 किठाा) ने हरियाणा की रितु के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जहां उनका मुकाबला महाराष्ट्र की मानसी लाड से होगा।

भारत में महिलाओं के लिए और अधिक शतरंज टूर्नामेंट की जरूरत : हंपी

दुबई, 29 जून। भारत की पूर्व विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियन कोनेरू हंपी ने गुरूवार को देश में महिलाओं के लिए और अधिक शतरंज टूर्नामेंट आयोजित करने की जरूरत पर बात करते हुए कहा कि इससे ही खिलाड़ियों का बड़ा पूल तैयार किया जा सकता है। भारत की 36 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने कहा कि शतरंज खिलाडियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन इसमें वित्तीय सहयोग की कमी सबसे ज्यादा महसूस होती है जिसकी बड़े मंच पर प्रतिस्पर्धा करने के लिये आवश्यकता होती है। हंपी ने प्रेस विज्ञिप्त में कहा, ''अगर मैं भारत की बात करूं तो मुझे अब भी लगता है कि अगर लड़कों से तुलना की जाये तो महिला खिलाड़ियों की संख्या काफी कम है। भारत में महिलाओं के लिए और अधिक टूर्नामेंट होने चाहिए, विशेषकर युवा लड़कियों के लिए। हंपी ने 2006 एशियाई खेलों में व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा के स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने कहा कि प्रतिभा खोजने के बाद खिलाड़ियों को उचित ट्रेनिंग मुहैया करायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''एक बार प्रतिभा मिल जाये तो उसे ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। ट्रेनिंग किसी भी खेल में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का पूल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शायद हमें महिला खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा करने की दिशा में काम करने की जरूरत है। एक बार ऐसा होगा तो शायद प्रतिभा धीरे धीरे सामने आने लगेंगी। ''

राष्ट्रीय कोचों ने आईओए तदर्थ पैनल को बताया, ट्रायल्स में छूट देने से कुश्ती बिरादरी खफा

नयी दिल्ली, 29 जून। देश के शीष कोचों ने गुरुवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के तदर्थ पैनल को बताया कि प्रदर्शनकारी छह पहलवानों को एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के ट्रायल्स में छूट देने का फैसला कुश्ती बिरादरी को रास नहीं आया। आईओए तदर्थ पैनल भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का कामकाज देख रहा है। भूपेंदर सिंह बाजवा की अध्यक्षता वाले पैनल ने मेरठ में हुई एक अनौपचारिक बैठक में राष्ट्रीय फ्रीस्टाइल कोच जगमंदर सिंह, राष्ट्रीय ठीको रोमन कोच हरगोबिंद सिंह और राष्ट्रीय महिला कोच वीरेंद्र सिंह दहिया के विचार सुने। आईओए सूत्र ने कहा, ''तीनों कोच ने बाजवा को बताया कि स्थापित और उदीयमान पहलवानों में इसे लेकर रोष व्याप्त है। जो लोग अखाड़े चलाते हैं, वे इस अनुचित और पक्षपातपूर्ण फैसले से नाराज हैं। सूत्र ने कहा, ''कोई फैसला नहीं लिया गया लेकिन बाजवा ने उन्हें कहा कि पैनल इस मामले को देखेगा। बाजवा ने 16 जून को विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, सत्यव्रत कादियान, जितेंदर किन्हा और संगीता फोगाट को लिखा था कि वे अगस्त में एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप ट्रायल के विजेताओं के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। पहलवानों ने दावा किया था कि उन्होंने छूट नहीं मांगी थी बल्कि तैयारी के लिए केवल अतिरिक्त समय मांगा था। सूत्र ने कहा, ''इस पर भी चर्चा की गयी कि पुरुष और महिलाओं के लिए राष्ट्रीय शिविर एशियाई खेलों के ट्रायल्स के बाद शुरु होंगे। पुरुष शिविर हमेशा की तरह बहलगढ़ में साई केंद्र में होगा।

सिंधू और राणा के शतकों से उत्तर क्षेत्र ने खड़ा किया रनों का पहाड़

बेंगलुरू 29 जून। ध्रुव शोरी (135) के बाद निशांत सिंधू (150) और हर्षित राणा (122 नाबाद) के शतकीय प्रहारों की बदौलत ने उत्तर क्षेत्र ने दलीप ट्राफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन गुरूवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र के खिलाफ अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 540 रन बना कर घोषित कर दी और दिन के खेल के अंतिम सत्र में पूवोत्तर क्षेत्र के तीन विकेट महज 65 रन पर चटका कर मैच पर अपना दवाब बना लिया। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर नीलेश लामिचानी 35 रन और लंग्लोन्याम्बा मीतान कीशांगबाम एक रन के निजी स्कोर पर क्रीज पर मौजूद थे। पूर्वोत्तर के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के सामने उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल का मुजाहिरा किया। शोरी के शतक से मजबूत आधार तैयार करने के बाद उत्तर क्षेत्र के निशांत और हर्षित ने आठवें विकेट के लिये 103 रनो की भागीदारी कर रनो की ऊंची इमारत बनाने के अपने इरादों का इजहार किया। निशांत ने 18 चौके और तीन छक्कों की मैराथन पारी खेली। उनके आउट होने के बाद दूसरे छोर पर खड़े हर्षित ने अपनी बल्लेबाजी को टाप गियर मे डाल दिया और पूवोत्तर के गेंदबाजों की कुटाई करते हुये महज 86 गेंदों में 12 चौके और नौ आसमानी छक्कों की सहायता से 122 रन बना डाले।

दिन के खेल के अंतिम सत्र में उत्तर क्षेत्र के कप्तान जयंत यादव ने सूझबूझ भरा फैसला लेते हुये अपनी टीम को वापस बुला लिया। कप्तान के फैसले को सही ठहराते हुये उत्तर के गेंदबाजों ने महज पांच ओवर में दस रन देकर दो विकेट झटक कर पूर्वोत्तर की मुश्किलों में इजाफा किया जबकि खेल के 15 मिनट पहले कप्तान रोंगसेन जोनाथन (15) भी अपना विकेट गंवा कर पवेलियन लौट गये।

अहम मौकों पर गेंद गंवाने से खुश नहीं स्टिमक, कहा टीम उम्मीदों को पूरा करने के करीब

बेंगलुरु, 29 जून। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने खेल के महत्वपूर्ण मौके पर गेंद गंवाने के लिए अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की। इंटरकांटिनेंटल कप में जीत के बाद भारत सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गया है और अंतिम चार में उसका सामना लेबनान से होगा। स्टिमक ने कहा, ''शिकायत के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। हमें खेल के उन क्षणों में सुधार करने की जरूरत है जब हमारा फोकस शीर्ष स्तर पर होना चाहिए और हमें मौका किसी को देने की कोशिश नहीं करनी होती। उन्होंने कहा, ''मैं इस चीज से संतुष्ट नहीं हूं जब हम आसान सा पास बिना किसी दबाव के गंवा देते हैं क्योंकि इसके बाद गेंद वापस हासिल करने के लिए काफी ज्यादा ऊर्जा बर्बाद करने की जरूरत होती है। स्टिमक ने कहा, ''बाकी मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। वे उस स्तर के काफी करीब पहुंच रहे हैं जिस पर मैं उन्हें देखना चाहता हूं। कुवैत के खिलाफ ड्रा भारतीय टीम के लिये काफी निराशाजनक रहा जिसमें टीम जीत की ओर बढ़ रही थी लेकिन अंत में अनवर अली के आत्मघाती गोल से टीम को अंक बांटने पड़े। लेकिन स्टिमक ने कहा कि इस नतीजे से शिविर में खिलाड़ियों के जज्बे में कोई कमी नहीं आयी है। स्टिमक ने कहा, ''हम मैच दर मैच सुधार कर रहे हैं। जब हम ट्रेनिंग के लिए पिच पर उतरते हैं तो हम काफी अच्छे मूड में होते हैं। गुरूवार को ताजा फीफा पुरुष रैंकिंग के अनुसार भारतीय टीम एक पायदान के फायदे से 100वें स्थान पर पहुंच गयी है जिसमें उसकी इंटरकांटिनेंटल कप जीत ने अहम भूमिका निभायी। स्टिमक ने कहा, ''मैं इस खबर से खुश हूं लेकिन हमें अगले कुछ मैचों में अपनी इस रैंकिंग को स्थिर करने की जरूरत है।

स्टीव स्मिथ के शतक से ऑस्ट्रेलिया के 416 रन

लंदन, 29 जून। स्टीव स्मिथ के शतक की मदद से आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन 416 रन बनाये। जवाब में इंग्लैंड ने समाचार लिखे जाने तक चार विकेट पर 269 रन बना लिये थे। बेन स्टोक्स (13) और हैरी ब्रुक (45) रन बनाकर क्रीज पर थे। एलेक्स कारी और मिचेल स्टार्क पहले 20 मिनट में ही आउट हो गए। स्मिथ उस समय 87 रन पर थे और उन्होंने जेम्स एंडरसन को चौका लगाकर शतक पूरा किया। यह उनका 32वां और इंग्लैंड के खिलाफ 12वां टेस्ट शतक था। सर्वाधिक टेस्ट शतक जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में वह पूर्व कप्तान स्टीव वॉ के समकक्ष आठवें स्थान पर आ गए। एशेज में सर्वाधिक रन बनाने वाले आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की सूची में वह चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके 3173 रन हैं और उनसे ऊपर सिर्फ डॉन ब्रेडमैन, जैक हॉब्स और एलेन बॉर्डर हैं। स्मिथ 110 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर गली में डकेट को कैच देकर लौटे। उन्होंने 184 गेंद की पारी में 15 चौके जड़े। स्टुअर्ट ब्रॉड ने कारी (22) को और जेम्स एंडरसन ने स्टार्क (छह) को आउट किया।

चयनकर्ता की दौड़ में शामिल अगरकर ने दिल्ली कैपिटल्स छोड़ी

नयी दिल्ली, 29 जून। भारत के मुख्य चयनकर्ता की दौड़ में शामिल अजित अगरकर ने बृहस्पतिवार को दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल टीम में सहायक कोच के पद से इस्तीफा दे दिया। अगरकर का नाम दौड़ में होने से बीसीसीआई को चयन समिति के प्रमुख का सालाना वेतन एक करोड़ से बढाना होगा जबकि बाकी सदस्यों का वेतन भी 90 लाख से अधिक करना होगा।

दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच और कमेंटेटर अगरकर मुख्य चयनकर्ता के सालाना पैकेज से अधिक कमाते हैं और यही कारण है कि बीसीसीआई को मौजूदा वेतनमान की समीक्षा करनी पड़ेगी। अगरकर के दौड़ में शामिल होने की खबर पीटीआई ने बुधवार को दी थी और अब दिल्ली कैपिटल्स टीम छोड़ने की खबर से यह साफ हो गया कि वह वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिये टी20 टीम चुनते समय मुख्य चयनकर्ता हो सकते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने इसकी पुष्टि की कि अगरकर और शेन वॉटसन अब सहयोगी स्टाफ का हिस्सा नहीं हैं। टीम ने ट्वीट किया ,''आपके लिये यह हमेशा घर रहेगा। धन्यवाद अजित और वाट्टो (वॉटसन)। भविष्य के लिये शुभकामनायें। अगरकर 2021 में भी चयनकर्ता के पद के लिये इंटरव्यू दे चुके हें जब उत्तर क्षेत्र से चेतन शर्मा समिति के अध्यक्ष बने थे। दिवंगत रमाकांत आचरेकर के शिष्य रहे 45 वर्ष के अगरकर 191 वनडे, 26 टेस्ट और चार टी20 मैच खेल चुके हैं। समझा जाता है कि उस समय मुंबई क्रिकेट संघ को अगरकर की दावेदारी से समस्या थी और यही वजह है कि उन्हें नहीं चुना गया।

जिम्बाब्वे में 20 जुलाई से शुरू होगा जिम एफ्रो टी-20 टूर्नामेंट

हरारे, 29 जून। जिम्बाब्वे के हरारे में क्रिकेट का सबसे तेज़ प्रारूप ज़िम एफ्रो टी10 टूर्नामेंट 20 जुलाई से खेला जायेगा। प्रतियोगिता का फाइनल 29 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट के पहले संस्करण के नामकरण के अधिकार रियल एस्टेट की दिग्गज कंपनी ज़िम साइबर सिटी को दिए गए हैं। इसके साथ ही यह टूर्नामेंट अब जिम साइबर सिटी जिम एफ्रो टी10 के नाम से जाना जाएगा। टूर्नामेंट में पांच निजी स्वामित्व वाली टीमें खिताब के लिये जोर आजमाइश करेंगी जिनमें हरारे हरिकेन, डरबन कलंदर्स, केप टाउन सैम्प आर्मी, बुलावायो ब्रेव्स और जॉबर्ग बफ़ेलोज़ शामिल हैं। उद्घाटन संस्करण के लिए खिलाड़ी का ड्राफ्ट दो जुलाई को हरारे में एक भव्य समारोह में होगा।

टी टेन ग्लोबल स्पोर्ट्स के संस्थापक और अध्यक्ष नवाब शाजी उल मुल्क ने कहा हमें ज़िम एफ्रो टी10 के लिए ज़िम साइबर सिटी का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। इन वर्षों में उन्हें जिम्बाब्वे में उनके काम और व्यावसायिकता के लिए बहुत स्नेह मिला है। हमें उम्मीद है कि यह साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरेगी और कुछ खास बनाएगी। ,खूबसूरत देश जिम्बाब्वे का क्रिकेट में एक समृद्ध इतिहास है और हमें उम्मीद है कि यह सहयोग क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र को भी मदद कर सकता है। ज़िम साइबर सिटी के सीईओ तेंदाई ह्लुपो-मामवुरा ने कहा देश और जिम्बाब्वे के क्रिकेट प्रशंसक जिम साइबर सिटी जिम एफ्रो टी10 का इंतजार कर रहे हैं, और हम इस तरह की मनोरंजक रचना के साथ जुड़कर रोमांचित हैं। मुझे यकीन है कि क्रिकेट परिवार इसका पूरा आनंद उठाएगा। इस साझेदारी में आने वाले वर्षों में क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में एक गंभीर छाप छोड़ने की क्षमता है, और हमें सभी हितधारकों से बहुत उम्मीदें हैं।

किर्गिस्तान और हंगरी जायेंगे विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया

नई दिल्ली, 29 जून। पहलवान और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) एथलीट विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों के लिए किर्गिस्तान और हंगरी जायेंगे। खेल मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरूवार को बताया कि दोनों ने युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) की टॉप्स टीम को अपने प्रस्ताव भेजे और उनके अनुरोध के 24 घंटों के भीतर इसे मंजूरी दे दी गई।

ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया 36 दिनों के प्रशिक्षण शिविर के लिए इस्सिक-कुल, किर्गिस्तान जाएंगे, वहीं विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट पहले एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए बिश्केक, किर्गिस्तान जाएंगी और फिर 18 दिनों के प्रशिक्षण शिविर के लिए टाटा, हंगरी जाएंगी।

विनेश के साथ फिजियोथेरेपिस्ट अश्विनी जीवन पाटिल, स्पैरिंग पार्टनर संगीता फोगाट और कोच सुदेश होंगे, बजरंग के साथ कोच सुजीत मान, फिजियोथेरेपिस्ट अनुज गुप्ता, स्पैरिंग पार्टनर जितेंद्र और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग विशेषज्ञ काजी हसन होंगे। सरकार विनेश, बजरंग के अलावा संगीता फोगाट और जितेंद्र को प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न व्ययों को वहन करेगी। इसके अलावा पहलवानों के साथ आने वाले अन्य सहायक कर्मचारियों का खर्च ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट (ओजीक्यू) द्वारा वहन किया जाएगा। विनेश और बजरंग जुलाई के पहले सप्ताह में रवाना होने वाले हैं।

विदेशी टी-20 लीग में रिटायर्ड खिलाड़ियों की हिस्सेदारी की समीक्षा करेगा बीसीसीआई

नयी दिल्ली, 29 जून। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) सात जुलाई को होने वाली अपनी शीर्ष परिषद की बैठक में विदेशी टी20 लीग में रिटायर्ड खिलाड़ियों की हिस्सेदारी की मौजूदा नीति की समीक्षा करेगा। बीसीसीआई अपनी लंबे समय से चली आ रही नीति के अनुसार खुद से पंजीकृत खिलाड़ियों को तभी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा लेने की अनुमति देता है जब वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लेते हैं जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी शामिल है।

अंबाती रायुडू ने पिछले महीने चेन्नई सुपरकिंग्स की खिताबी जीत में भूमिका निभाने के बाद आईपीएल से संन्यास ले लिया था। अब वह जुलाई में अमेरिका में होने वाली शुरुआती मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में टेक्सास सुपरकिंग्स में खेलते हुए नजर आयेंगे। बीसीसीआई अपने सक्रिय खिलाड़ियों को टी20 लीग में हिस्सा लेने से बचाना चाहता है और ताजा घटनाक्रम को देखते हुए वह अपने रिटायर्ड खिलाड़ियों की भागीदारी पर एक अनुच्छेद ला सकता है।

घरेलू क्रिकेट का स्तर और ज्यादा कमजोर नहीं हो, यह सुनिश्चित करने के लिए वह ऐसा कर सकता है क्योंकि टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट के फैलने से काफी खिलाड़ी जल्दी संन्यास ले सकते हैं। बैठक के एजेंडे के अनुसार विदेशों में रिटायर्ड खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर चर्चा की जायेगी। बीसीसीआई ने सितंबर-अक्टूबर में हांगजोऊ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी टीम (पुरुष और महिला) को भेजने का फैसला किया है।

इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग में धूम मचायेंगे गेल, सहवाग

नयी दिल्ली, 29 जून। कुछ साल पहले तक क्रिकेट के मैदान पर गेंदबाजों की बखिया उधेड़ने के लिये मशहूर क्रिस गेल और वीरेन्द्र सहवाग जैसे दिग्गज बल्लेबाज देहरादून में 17 नवंबर से खेली जाने वाली पहली इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग की शान बनेंगे। भारतीय वेटरन क्रिकेट बोर्ड और इंडियन पावर क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित इस लीग के पहले संस्करण में छह टीमें हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में दो विदेशी खिलाड़ी और कम से कम पांच पूर्व रणजी क्रिकेटर भाग लेंगे। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल ने गुरुवार को यहां लीग के लांच के साथ छह टीमों वीवीआईपी गाजियाबाद, राजस्थान लीजैंड्स, छत्तीसगढ सुल्तान, तेलंगाना टाइगर्स, दिल्ली वारियर्स और मुंबई लायंस की जर्सी का अनावरण किया। उन्होने कहा इस लीग का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं फिर मैदान पर उतरकर छक्के लगाने के लिये बेताब हूं।

वापसी के तुरंत बाद रहाणे को टेस्ट उप कप्तान बनाने का फैसला समझना मुश्किल : सौरव गांगुली

नयी दिल्ली, 29 जून। सौरव गांगुली को अजिंक्य रहाणे को टेस्ट में उप कप्तानी की जिम्मेदारी देना काफी हैरानी भरा लग रहा है क्योंकि वह करीब 18 महीने तक टीम से बाहर थे और पूर्व भारतीय कप्तान ने चयन प्रक्रिया में निरंतरता और स्थिरता लाने की मांग की। डेढ साल पहले तक 35 वर्षीय रहाणे टीम में शामिल होने की दौड़ से बाहर थे लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ इस महीने के शुरु में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में वह 89 और 46 रन की पारियां खेलकर भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे।

वापसी करने के महज एक टेस्ट बाद ही अंतरिम प्रमुख शिव सुंदर दास की अगुआई वाली राष्ट्रीय चयन समिति ने रहाणे को वेस्टइंडीज टेस्ट श्रृंखला के लिए फिर से उप कप्तान नियुक्त कर दिया। तो क्या इस भूमिका के लिए किसी अन्य खिलाड़ी जैसे शुभमन गिल को तैयार करना आदर्श नहीं होता तो इस पर गांगुली ने लंदन से कहा, ''हां, मुझे भी ऐसा ही लगता है। '' हालांकि उन्होंने रहाणे को उप कप्तान बनाने के फैसले को पीछे की ओर लिया हुआ कदम करार नहीं किया लेकिन उन्होंने इसे व्यावहारिक फैसला भी नहीं बताया। उन्होंने कहा, ''मैं ऐसा नहीं कहूंगा कि यह पीछे की ओर उठाया गया कदम है। आप 18 महीने से बाहर हो, फिर आप एक टेस्ट खेलते हो और आपको उप कप्तान बना दिया जाता है। मुझे इसके पीछे की सोच प्रक्रिया समझ नहीं आयी। रविंद्र जडेजा भी टीम में है जो काफी लंबे समय टीम में है और टेस्ट मैचों में निश्चित ही खेलता है, वह एक उम्मीदवार है। '' भारत के बेहतरीन टेस्ट कप्तानों में शुमार गांगुली ने कहा, ''लेकिन 18 महीने बाद अचानक वापसी के बाद तुरंत ही उप कप्तान बना दिया जाना, मेरी समझ से बाहर है। मेरा यही कहना है कि चयन में निरंतरता और स्थिरता होनी चाहिए। भारतीय चयनकर्ताओं ने चेतेश्वर पुजारा जैसे कद के बल्लेबाज को बाहर करके बदलाव की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है और गांगुली

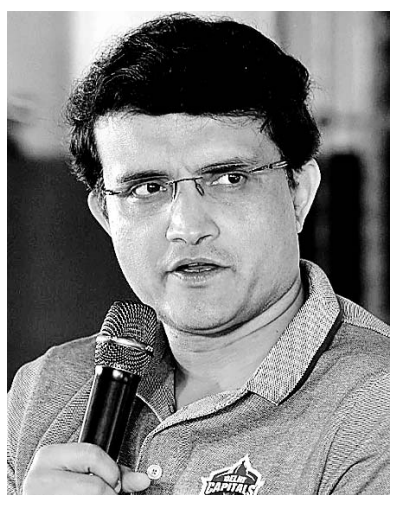

चाहते हैं कि एक खिलाड़ी के साथ के साथ संवाद स्पष्ट होना चाहिए जो भारत के लिए 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेल चुका हो। उन्होंने कहा, ''चयनकर्ताओं को उसके (पुजारा) बारे में स्पष्ट होना चाहिए था। क्या वे उसे टेस्ट क्रिकेट में और खिलाना चाहते हैं या फिर वे युवाओं के साथ जारी करना चाहते हैं, उसे इस बारे में बताया जाना चाहिए था। पुजारा जैसे कद के खिलाड़ी को आप टीम से बाहर, फिर अंदर और फिर बाहर, फिर अंदर नहीं कर सकते। ऐसा ही अजिंक्य रहाणे के साथ भी है। '' ऐसा लगने लगा है कि टेस्ट क्रिकेट में टीम में जगह बनाने के लिए भी एक खिलाड़ी को आईपीएल में मजबूत प्रदर्शन करना चाहिए जैसा कि रूतुराज गायकवाड़ ने किया। गांगुली हालांकि इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। उन्होंने कहा कि सरफराज खान जैसे शानदार बल्लेबाज को खुद को साबित करने का मौका दिया जाना चाहिए था जो आईपीएल में अच्छा नहीं कर सके। गांगुली ने कहा, ''मुझे लगता है कि यशस्वी जायसवाल ने रणजी ट्राफी, ईरानी ट्राफी, दलीप ट्राफी में काफी रन जुटाये हैं। मुझे लगता है कि इसलिये वह टीम में है। मुझे लगता है कि सरफराज खान को भी एक मौका दिया जाना चाहिए था, उसने भी पिछले तीन वर्षों में काफी रन बनाये हैं। '' उन्होंने कहा, ''ऐसा ही अभिमन्यु ईश्वरन के साथ भी है, जिन्होंने पिछले पांच से छह वर्षों में काफी रन जुटाये हैं। मैं हैरान हूं कि ये दोनों ही टीम में नहीं है लेकिन भविष्य में इन्हें मौका दिया जाना चाहिए। लेकिन यशस्वी जायसवाल का चयन अच्छा है। '' वहीं विश्व कप के स्थलों की पसंद पर गांगुली ने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) दोनों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''इसका शानदार कार्यक्रम है और मैचों को अच्छे स्टेडियम में दिया गया है। बीसीसीआई और आईसीसी ने सही स्थलों पर सही मैच दिये हैं और मैं जानता हूं कि यह शानदार विश्व कप होगा। ''